Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **3**

A–113

B.A. (Part–I) Examination, 2022

SANSKRIT

Paper - II

(भारतीय संस्कृति के तत्व, पद्य साहित्य, अनुवाद एवं व्याकरण)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

1. सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः सन्तिः

   (i) पञ्चमहायज्ञानां नामानि लिखतु।

   (ii) षोडससंस्कारानां नामानि लिखतु।

   (iii) 'रघुवंश' महाकाव्यस्य रचयिता कः अस्ति ?

   (iv) राजा दिलीप ने वरदान में क्या माँगा ?

(v) निम्नलिखित वाक्यानां संस्कृतभाषायामनुवादं क्रियताम् :

(अ) मुझे पढ़ना अच्छा लगता है।

(ब) मैं पिता के साथ बाजार जा रही हूँ।

(vi) निम्नलिखित वाक्यानां संस्कृतभाषायामनुवादं क्रियताम् :

(अ) राजा सिंहासन पर बैठता है।

(ब) गंगा हिमालय से निकलती है।

(vii) 'माहेश्वर सूत्र' लिख्यताम्।

(viii) 'इकोयणचि' सूत्रस्य अर्थ स्पष्टीकरोतु।

(ix) 'राम' शब्दस्य रूपं लिख्यताम्।

(x) 'पठ्' धातोः लट्लकारे रूपं लिखतु।

खण्ड–ब

नोट :– अधोलिखितेषु प्रश्नेषु केषांञ्चित् **पञ्च**प्रश्नानां उत्तराणि ददातु (उत्तर सीमा **200** शब्दाः) :

2. प्राचीन भारतीय संस्कृति की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

3. 'वर्तमान समय में आश्रम व्यवस्था की उपयोगिता' विषय पर टिप्पणी लिखिए।

4. निम्नलिखित पद्य की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

स्थितः स्थितामुच्चलितः प्रयातां निषेदुषीमासबन्धधीरः।

जलाभिलाषी जलमाददानां छायेव तां भूपतिरन्वगच्छत्॥

5. निम्नलिखित पद्य का सप्रसंग अनुवाद कीजिए :

एकातपत्रं जगतः प्रभुत्वं नवं वयः कान्तमिदं वपुश्च।

अल्पस्य हेतोर्बहु हातुमिच्छन् विचारमूढ़ प्रतिभासि मे त्वम्॥

6. निम्नलिखित गद्यखण्ड का अनुवाद हिन्दी भाषा में कीजिए :

अयमस्माकं भारतदेशः अस्ति। यत्र भरतनामः राजा वसति स्म। तस्य सम्बन्धात् अस्य नाम भारतम् इति। अस्य उत्तरस्यां दिशि हिमालयः पर्वतः, दक्षिणस्याम् च हिन्दमहासागरः अस्ति। अत्र गङ्गायमुनासरयूगोदावरी प्रभृतयः देवनद्यः प्रवहन्ति, यासां जलेन भारतभूमिः शस्यश्यामला अस्ति। इयं वीरप्रसूता भूमि अस्ति।

7. (क) 'मुखनासिकावचनोऽनुनासिकः, सूत्र की व्याख्या कीजिए।

(ख) 'एचोऽयवायावः' सूत्र की व्याख्या कीजिए।

(ग) 'विसर्जनीयस्य सः' सूत्र की व्याख्या कीजिए।

(घ) 'शिवच्छाया' सूत्रों सहित प्रयोगसिद्धि कीजिए।

8. (क) निम्नलिखित शब्दों के रूप लिखिए :

(i) हरि

(ii) रमा

(iii) गुरु

(iv) अस्मद्

(ख) निम्नलिखित के धातुरूप लिखिए :

(i) भू (लङ् लकार)

(ii) 'पठ्' (लोट् लकार)

(iii) गम् (लट् लकार)

(iv) ज्ञा (लृट् लकार)

खण्ड–स

नोट :– अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कयोः **द्वयोः** सविस्तारं वर्णनं करणीया (उत्तर सीमा **500** शब्दाः) :

9. 'प्राचीन भारत में शिक्षा व्यवस्था का स्वरूप' विषय पर लेख लिखिए।

10. रघुवंशमहाकाव्य के नायक दिलीप का सोदाहरण चरित्र-चित्रण कीजिए।

11. साहित्य की दृष्टि से भारतीय संस्कृति की विश्व को क्या देन रही है ? स्पष्ट कीजिए।

12. (क) निम्नलिखित सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :

(i) परः सन्निष्कर्षः संहिता

(ii) स्तो श्चुना श्चुः

(iii) रोरि

(iv) मोऽनुस्वारः

(ख) निम्नलिखित शब्दों की प्रयोगसिद्धि कीजिए :

(i) मनीषा

(ii) उपैति

(iii) रामश्शेते

(iv) विष्णवे